

CHEMISTRY-2nd paper. Assignment-4.

ক) যে কোন জৈব ক্রমাণনিক বিক্রিয়ায়- বিক্রিয়ক অণুগুলোর  
বন্ধন ভাঙান এবং নতুন বন্ধন সৃষ্টির মাধ্যমে উৎপাদিত হয়ে  
এই বন্ধন বিভাজন ২ প্রকার-

- i) বন্ধনঃ মুখম বিভাজন।
- ii) বন্ধনঃ বিধম বিভাজন।



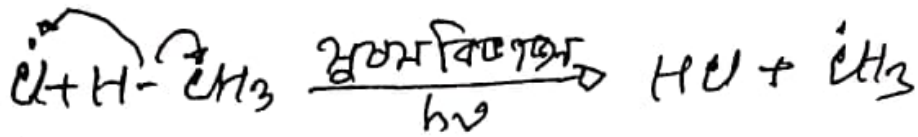
\* বিমূহ অমায়াজী বন্ধন আবদ্ধ দুটি অণুমানু যদি একসাথে  
সিদ্ধান্তেই হলেবন্ধন সমান এবং নিষ্কারণ দিহক হেটন  
নয়, তাহ এই বিভাজন হয়েই হয়, তাহক মুখম বিভাজন  
বুলে। মুখম বিভাজনঃ যমুল বিক্রিয়া e- বিক্রিয়ক মুহু  
মূলক সৃষ্টি হয়। রাসন:  $C-C \rightarrow C + C$

\* অমায়াজী বন্ধন আবদ্ধ দুটি অণুমানু মর্মে যদি একসাথে  
একসাথে বন্ধন হোড় হলেবন্ধন সমান নিষ্কারণ  
দিহক হেটন নয়, তাহ এই বিভাজন সৃষ্টি হয়  
তাহক বিধম বিভাজন বুলে। এই যমুল ক্রমাণনিক  
3 অণুমানু সৃষ্টি হয়।  $C-H \rightarrow C + H$   
মিথানে  
কার্বোহাইড্রেন

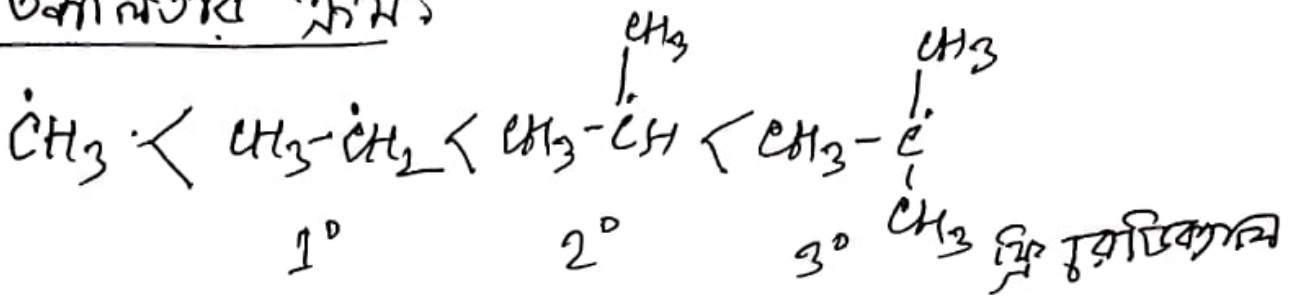
\* মুহু মূলক! অমায়াজী বন্ধনঃ মুখম বিভাজনঃ যমুল  
উৎপন্ন বিক্রিয়া হলেবন্ধন বিক্রিয়ক অণুমানু বা অণুমানু

सूक्ष्मक सूक्ष्म सूक्ष्मक वाला

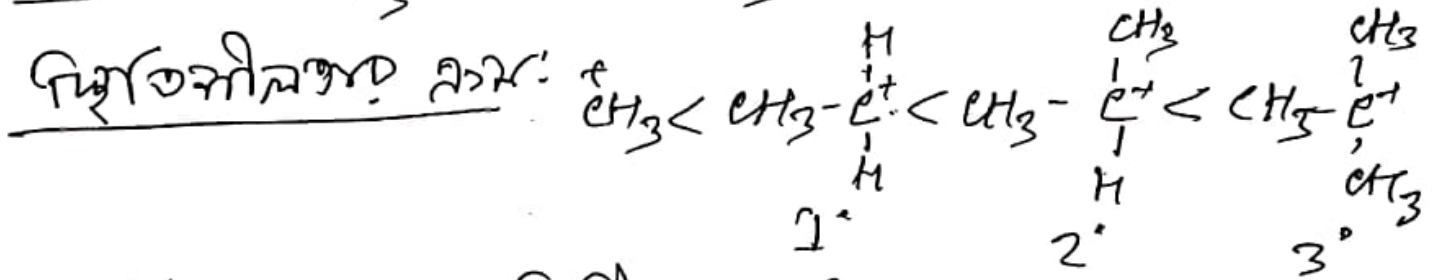
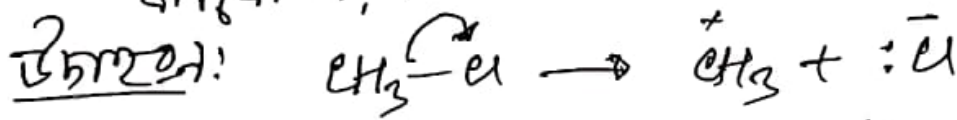
उदाहरण,  $\text{HCl}$  सूक्ष्मक  $\rightarrow \text{H} + \text{Cl}$



स्थिरताक्रम



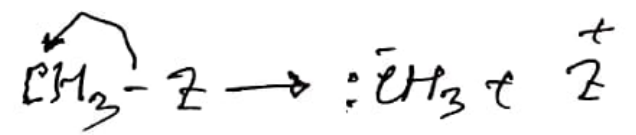
कार्बोकैटायन: अणुको  $\text{C}^+$  के अणु विद्यमान रहता है  
जहाँ सूक्ष्म सूक्ष्म सूक्ष्मक कार्बोकैटायन सूक्ष्म सूक्ष्म सूक्ष्मक  
विद्यमान  $\text{C}^+$  के अणुको कार्बोकैटायन  $\text{C}^+$  अणु  
कार्बोकैटायन अणु है।



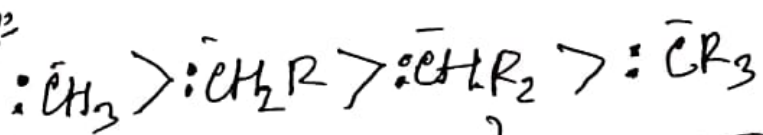
कार्बोकैटायन: कार्बोकैटायन  $\text{C}^+$  के अणु विद्यमान रहता है  
जहाँ सूक्ष्म सूक्ष्म सूक्ष्मक कार्बोकैटायन  $\text{C}^+$  अणु  
कार्बोकैटायन  $\text{C}^+$  के अणु विद्यमान रहता है।  
उदाहरण,  $\text{C}^{\cdot}\text{H}_3-\text{C}^{\cdot}\text{H} \rightarrow \text{C}^{\cdot}\text{H}_3 + \text{C}^{\cdot}\text{H}$

ଆଲକାହଲ୍‌ର ଛାମ ବ୍ୟବହାରରେ ଉତ୍ପାଦିତ ହେଉଥିବା ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାର  
 ବ୍ୟବହାରରେ ଉପଯୋଗୀ ହେବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ଉଚିତ୍ ଅଟେ। ବ୍ୟବହାରରେ ଉପଯୋଗୀ ହେବା ପାଇଁ ଏହାକୁ  
 ପୁରୁ ଆକାର

\* ବ୍ୟବହାର: ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ। ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ।



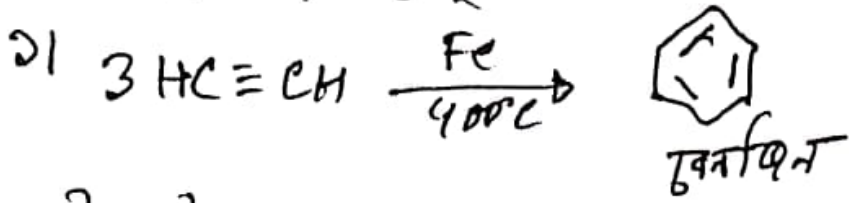
ପରିଚାଳନା



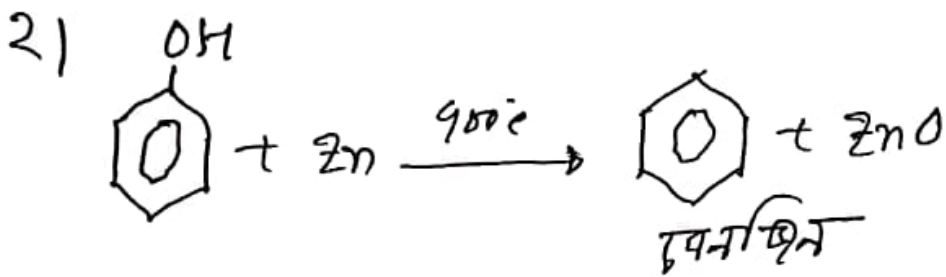
ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ। ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ। ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ। ଉପରୋକ୍ତ ମାଲ୍‌କୁ ପୁରୁ ଆକାରରେ ପରିଚାଳନା  
 କରାଯିବା ପାଇଁ ଏହାକୁ ଉଚିତ ରୂପରେ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା  
 ଉଚିତ୍ ଅଟେ।



2) \* फेनॉलिन प्रतिक्रिया -

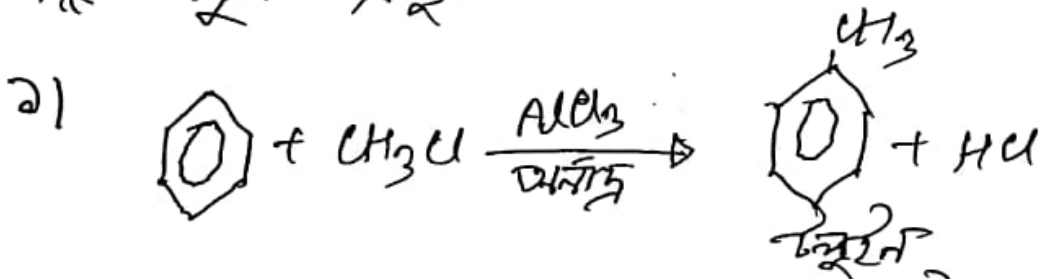


इस प्रतिक्रिया का तापमान  $400^\circ\text{C}$  पर रखना आवश्यक है। इस प्रतिक्रिया में अत्यधिक तापमान पर फेनॉलिन का उत्पादन होता है।

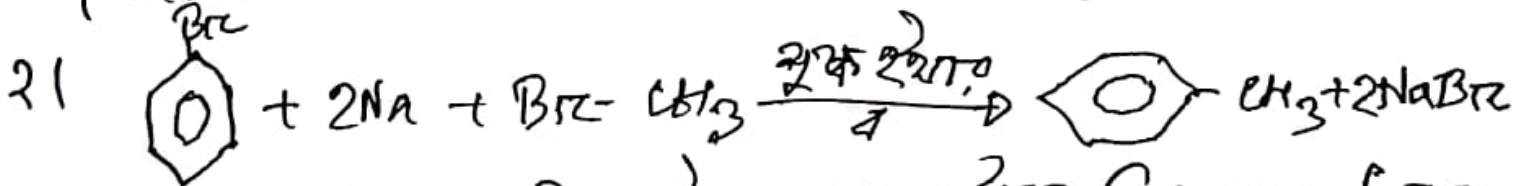


इस प्रतिक्रिया का तापमान  $400^\circ\text{C}$  पर रखना आवश्यक है। इस प्रतिक्रिया में अत्यधिक तापमान पर फेनॉलिन का उत्पादन होता है।

\* टॉलुएन प्रतिक्रिया -

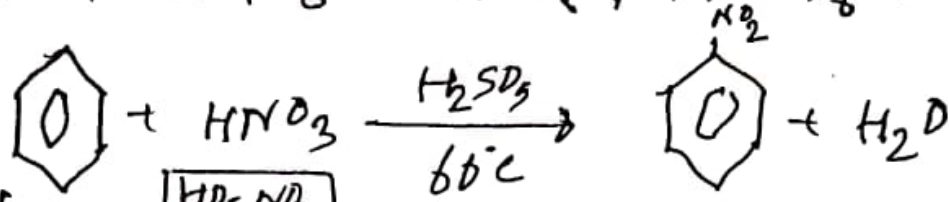


फेनॉलिन को मिथाइल क्लोराइड के साथ  $\text{AlCl}_3$  अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करके टॉलुएन का उत्पादन किया जाता है।



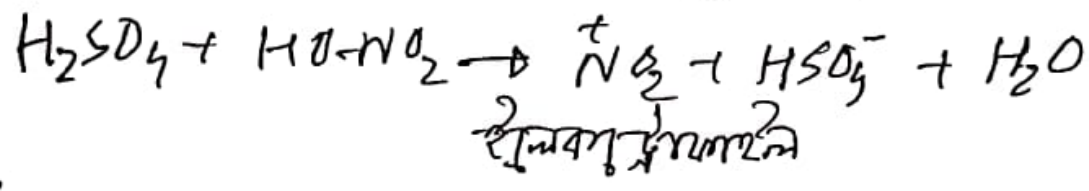
इस प्रतिक्रिया में मिथाइल क्लोराइड के साथ  $\text{AlCl}_3$  अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करके टॉलुएन का उत्पादन किया जाता है।

2) इवनाधिना नाइट्रेसन: एर विक्रियाण- एकाहना रिष  
 एकाहना एकाहना एका वा एकाहना नाइट्रेसन एकाहना  
 एकाहना नाइट्रे (NO<sub>2</sub>) एकाहना एकाहना एकाहना  
 एकाहना एकाहना नाइट्रेसन एकाहना



उत्पत्ति: HO-NO<sub>2</sub>

उत्पत्ति: एकाहना HNO<sub>3</sub> एकाहना एकाहना H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> एकाहना  
 एकाहना नाइट्रेसन एकाहना (NO<sub>2</sub>) एकाहना

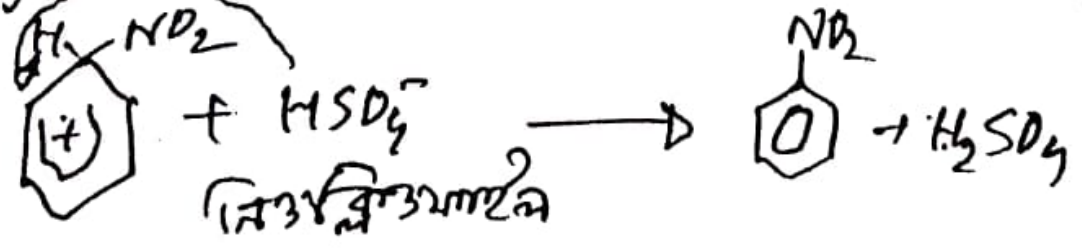


एकाहना:

एकाहना (NO<sub>2</sub><sup>+</sup>) एकाहना इवनाधिना एकाहना  
 एकाहना एकाहना एकाहना एकाहना एकाहना  
 एकाहना एकाहना एकाहना एकाहना



एकाहना: एकाहना एकाहना एकाहना एकाहना  
 एकाहना एकाहना नाइट्रेसन एकाहना एकाहना



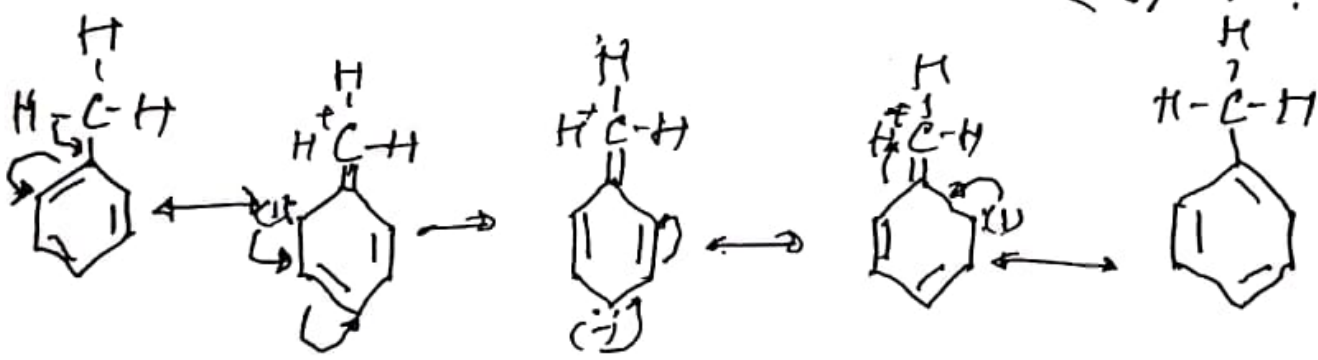




3) इतरचित्त काल मिथ्यालेन-मूलका अर्थान-प्राण  
 निर्दिशक शून्य 3 नादेलेन-मूलका शून्ये निर्दिशक.  
 याव प्रथम काल अनुबन्धन वा Resonance ।

\* मिथ्यालेन (CH<sub>2</sub>) मूलका अर्थान-प्राण उपाय काल-

यि अकाल-मूलका इतरचित्त काल शून्य यावकाल आद्य  
 प्रतिष्ठापक अर्थान-प्राण अकाल शून्य शून्य शून्य  
 वा अर्थान-प्राण निर्दिशक काल - CH<sub>2</sub> मूलका  
 वावकाल माय मिथ्यालेन शून्य शून्य शून्य  
 शून्य आद्य अनुबन्धन माय 1 हि 0-11 वकाल  
 शून्य शून्य शून्य 0 इतरचित्त काल शून्य  
 काल शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य  
 शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य



अनुबन्धन शून्य शून्य शून्य शून्य, अर्थान 3 प्राण अर्थान  
 शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य  
 प्रतिष्ठापक विधि शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य  
 3 प्राण अर्थान शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य शून्य

